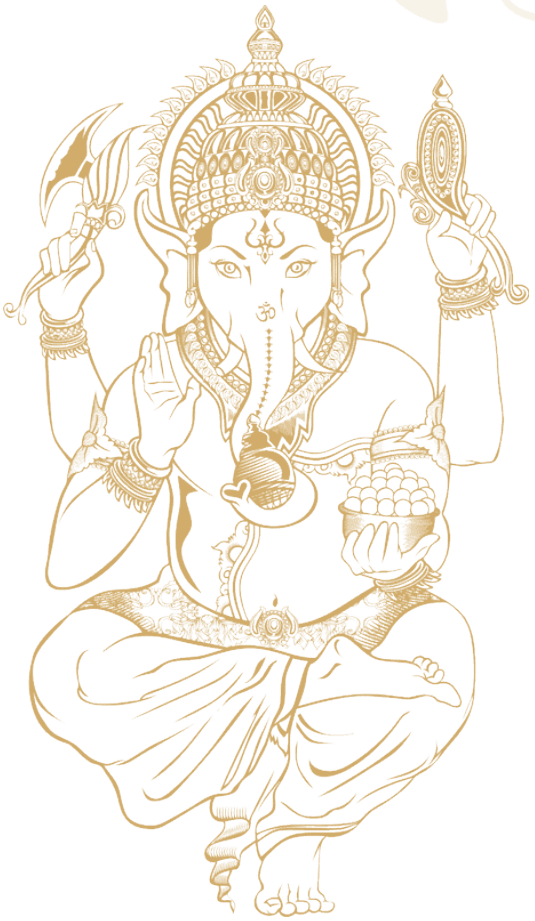

Rahul

Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121131209

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/02/1995	जन्म तिथि	01/10/1999
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 52:47:06	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:53:09	सूर्योदय	06:13:52
18:17:04	सूर्यास्त	18:07:42
23:47:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 0वर्ष 10मा 9दि		19:51:15	धनु	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि	
सूर्य		11:02:54	कुंभ	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु	
03/01/2023		29:19:35	वृश्चि	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017	
03/01/2029		24:36:02	कर्क व	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033	
सूर्य	23/04/2023	14:48:29	मक	बुध	तुला	00:47:42	गुरु	28/05/2019
चन्द्र	22/10/2023	19:34:38	वृश्चि	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि	09/12/2021
मंगल	27/02/2024	28:02:35	धनु	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध	15/03/2024
राहु	21/01/2025	19:58:40	कुंभ	शनि व	मेष	22:25:14	केतु	19/02/2025
गुरु	09/11/2025	14:00:51	तुला व	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र	21/10/2027
शनि	22/10/2026	14:00:51	मेष व	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य	09/08/2028
बुध	28/08/2027	04:44:50	मक	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र	09/12/2029
केतु	03/01/2028	00:43:09	मक	नेप व	मक	07:46:51	मंगल	14/11/2030
शुक्र	03/01/2029	06:47:33	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु	09/04/2033

लग्न-चलित

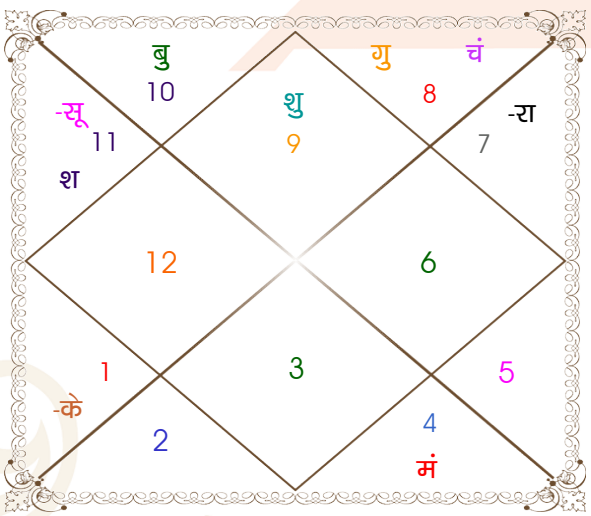

लग्न-चलित

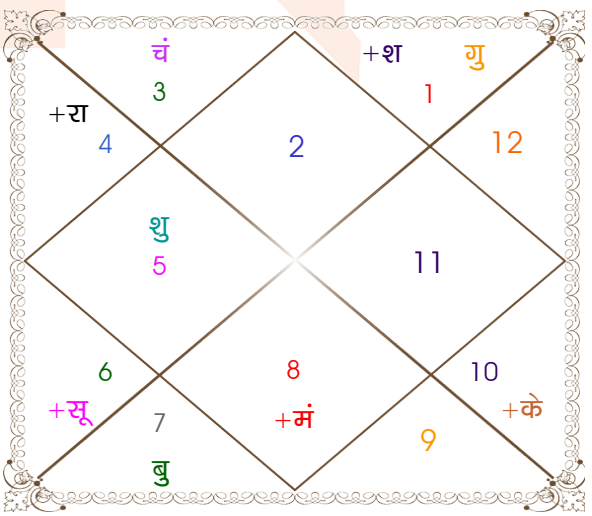

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	श्वान	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	4.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि श्रंहतनजप का नक्षत्र आर्द्रा है।

Rahul का वर्ग मृग है तथा श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और श्रंहतनजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rahul कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु श्रंहतनजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rahul कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।